प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 2023

17वां प्रवासी भारतीय दिवस मध्यप्रदेश के खूबसूरत शहर इंदौर में तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत 8 जनवरी से 10 जनवरी तक मनाया गया। 2019 के बाद पहली बार ये सम्मेलन प्रत्यक्ष रूप में हुआ। तीन साल से ये कोरोना की वजह से डिजिटल मोड में हुआ था। इस बार इसका थीम अमृतकाल में भारत के भरोसेमंद सहयोगी थीम पर हुआ।

Rajasthan Foundation
Connecting Non-Resident Rajasthanis

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन (पीबीडी) के 17वें संस्करण में प्रत्येक वर्ष की तरह राजस्थान फांउडेशन ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। इस सम्मेलन में विश्व भर से बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानियों ने शिरकत की। इसके साथ ही राजस्थान सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग, वीनू गुप्ता जी ने भी कमिश्नर, राजस्थान फाउंडेशन, श्री धीरज श्रीवास्तव के साथ शिरकत की।

प्रवासी भारतीय दिवस हर साल 9 जनवरी को मनाया जाता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्ष 2002 में इसे मनाने की घोषणा की थी। यह दिन महात्मा गांधी की भारत वापसी का प्रतीक है। महात्मा गांधी वर्ष 1915 में दक्षिण अफ्रीका से स्वदेश लौटे थे। 2015 के बाद से यह हर दूसरे साल मनाया जाता है।

तीन दिवसीय प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में भाग लेने आए प्रवासी राजस्थानियों (एनआरआर) के लिए 'मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस मौके पर कमिश्नर, राजस्थान फाउंडेशन, धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की दूरदर्शी सोच और विजन के अनुरूप प्रवासी राजस्थानियों को उनकी मातृभूमि से जोड़ने के उद्देश्य के तहत राजस्थान फाउंडशन कार्यरत है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रख कर यूरोप, यूएस, ब्रिटेन, दुबई, केन्या एवं अन्य देश जहां प्रवासी राजस्थानी बड़ी संख्या में कार्यरत है, वहाँ राजस्थान फाउंडेशन अपनी पहुँच बढ़ा रहा है। हाल ही में लांच की गई एनआरआर नीति के तहत राज्य के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में एनआरआरएस (नॉन रेजिडेंट राजस्थानियों) को शामिल करने और उनके साथ लाभकारी संबंध बनाने की योजना बनाने का प्रस्ताव है।

प्रवासी राजस्थानी अमित लाठ सहित 27 प्रतिभाओं को प्रवासी भारतीयों के लिये दिये जाने वाले सर्वोच्च सम्मान प्रवासी भारतीय पुरस्कार से नवाजा गया ।

पीबीडी सम्मेलन के अंतिम दिवस, 10 जनवरी को आयोजित समापन सत्र में भारत की माननीया राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू पोलैंड के प्रवासी राजस्थानी अमित कैलाष चंद्र लाठ को व्यवसाय एवं सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया। इस वर्ष राष्ट्रपति द्वारा प्रवासी भारतीयों को विभिन्न श्रेणियों में कुल 27 पुरस्कार दिये, जिसमें श्री अमित कैलाश चंद्र लाठ भी शामिल हैं।

17वां प्रवासी भारतीय दिवस
17th PRAVASI BHARATIYA DIVAS
8-10 जनवरी, 2023 इंदौर, मध्य प्रदेश

उल्लेखनीय है कि प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार (पीबीएसए) प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। यह पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा अनिवासी भारतीयों, भारतीय मूल के व्यक्तियों अथवा उनके द्वारा स्थापित एवं संचालित संगठन/संस्थान की उत्कृष्ट उपलब्धियों पर पीबीडी के हिस्से के रूप में प्रदान किया जाता है।

17 वें प्रवासी भारतीय दिवस के आखिरी दिन समापन सत्र में राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित होने पर प्रवासी राजस्थानी अमित लाठ को दुनियाभर के प्रवासी भारतीयों ने शुभकामनाएं दी।

राजस्थान फाउंडेशन के कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव द्वारा विशेष रूप से समारोह में उपस्थित होकर अमित लाठ को शुभकामनाएं दी । फाउंडशन प्रवासी राजस्थानियों को अपनी मिट्टी से जोड़ने का लगातार प्रयास कर रहा है। यही कारण है कि प्रवासियों के साथ हर कार्यक्रम में मौजूद रह अपनेपन का रिश्ता लगातार राजस्थान सरकार मजबूत कर रही है।

PBD CONVENTION
Meet & Greet : NRIs and NRRs